38 साल के बेटे की दोनों किडनी फेल, मां ने किया दान

कुमार प्रवेश, गुड़गांव टुडे

गुरुग्राम। मां के कदमों के निशां है कि दिए रौशन है, गौर से देख यही पर कही जन्नत होगी। मशहूर शायर राहत इंदौरी का ये शेर एक 38 साल के युवा पर सटीक बैठ रही है। जिसकी दोनो किडनी फेल होने पर उसकी बुजूर्ग मां ने एक किडनी देने का निर्णय लिया है। कहानी बेहद मार्मिक व दर्द से भरी है। जिसकी कहानी खुद पीडित ने बताया कि मेरा नाम राम खिलावन- 38 है। मै कर्मचारी राज्य बीमा निगम के उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम में बीमा संख्या- 6931803727 से पंजीकृत हूं। मौजूदा समय में मैं नहारपुर

गुरुग्राम में रहता हूं। जबकि मूल रूप से मैं हरदोई उत्तर प्रदेश का निवासी हूं। कई माह तक लगातार काम करते करते मेरी स्वास्थ्य खराब होने लगा। आखि़रकार मैंने ईएसआईसी अस्पताल मानेसर का रुख किया। जहां डॉक्टरों ने ब्लड टेस्ट कराने को कहा। डाक्टरों को ब्लड टेस्ट कराकर जब रिपोर्ट दिखाया तो डाक्टरों ने किडनी समस्या बताई। जिसें सुनते ही मेरे होश उड गए कि अब मेरा क्या। गंभीर मामला होते देख उसे ईएसआईसी मैडिकल कालेज रैफर किया गया। जांच में डाक्टरों ने बताया मेरी किडनी फेल हो चुकी है। क्योकि मै तीन बेटियों का पिता हूं और घर घर अकेला कमाने वाला हूं। डाक्टरों ने बताया कि अगर कोई एक किडनी दान कर दे आप एक किडनी पर जीवित रह सकते है। इसके बाद मेरी मां ने मुझे किडनी देने का फैसला लिया है।

''मरीज बेहद गंभीर अवस्था में था वह ईएसआईसी से बीमित था। इसलिए उसे ईएसाआईसी मैडिकल कालेज रैफर किया गया। जहां उसकी किडनी ट्रांसप्लांट होना है।''

–सुनील यादव, प्रभारी उप क्षेत्रीय कार्यालय ईएसआईसी गुरुग्राम।

मदिन पर खिलाया केक

में भगवान की असीम कृपा से उन्होंने सिरसा जिले में पहली पोस्टिंग जिला सिरसा में ड्रग कंट्रोलर अधिकारी की सीट पर बैठने का मौका प्राप्त किया। इसके अलावा भिवानी जींद नारनौल हिसार आदि जिलों में मेडिकल स्टोर करने वाले संचालक करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

सि
से

कुमार

गुरुग्रा
वीरवार
'प्रोजेक
गुरूग्राम
राजकी
900
स्कूल
में स्टेश
जरूरी
थी, जि
लिए
वातावर
अब त
42,000